माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
हिन्दी विशिष्ट	0	0	1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

→ परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

[redacted]

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

0	2	7	3	1	9	9	0	0	8

शब्दों में

0	दो	सात	तीन	एक	नौ	नौ	शून्य	शून्य	आठ

नीचे दिये गये उदाहरण के अनुसार रोल नम्बर भरें

[redacted]

एक		दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

→ केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में [ ] शब्दों में [ ]

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 9

ग – परीक्षा का दिनांक 01 | 03 | 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

C.N. 311062

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर B.L. ...

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

→ परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

Rekha Mi...
(Varishth Adhyapak)
Val. No. 14105100...
Govt. H.S.S. Taksal...

[redacted] क द्वारा भरा जावे।

सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

पृष्ठ क्रमांक		(अंकों में)
[redacted]		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
कुल		

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ क = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर - 1

(अ) (iii) वर्षा

(ब) (iv) नौ

(स) (ii) कानपुर

(द) (i) छब्बीस

(इ) (i) वसन

उत्तर - 2

अ. नादपन

ब. असहमत

स. साधु

द. सफल न होना

इ. जुगुप्सा

उत्तर 3.

अ. भय साध्य और असाध्य रूपो मे हमारे सामने आता है।

B
S
E

मध्यप्रदेश
SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBH

प्रश्न क्र.

ब. विश्वास में विष घोलने का काम सुजान ने किया था।

स. 'राष्ट्र प्रेम' पर निबन्ध लिखने रामकुमार वर्मा को 51रु का पुरस्कार मिला

द. मालवी बोली मध्यप्रदेश के मालवा और खांडवा में बोली जाती है।

(इ) अन्योक्ति [redacted] अलंकार होता है।

उत्तर 4

"क"		"ख"
अ. मंगल वर्षा	—	भवानीप्रसाद मिश्र
ब. तुम यहाँ आओ	—	आज्ञावाचक
स. पंचवटी	—	खण्डकाव्य
द. रंगोली	—	शिवप्रसाद मिश्र
इ. छोटे-छोटे सुख	—	रामदरश मिश्र

उत्तर 5.

अ. सत्य
ब. सत्य
स. असत्य
द. असत्य
इ. सत्य

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

उत्तर 6. अथवा

कबीर ने शब्द की महिमा बताई है कि शब्द को सोच समझकर निकालना चाहिए यद्यपि शब्द के हाथ-पैर नही होते है। शब्द एक प्रकार से औषधि का काम करता है। शब्द प्रिय बोलने से लोग अत्यधिक प्रसन्न होते है इसलिए हमे शब्दो को सोच समझकर बोलना चाहिए।

उत्तर 7. अथवा

:- की गोपियों के मन श्री कृष्ण बसे है

उत्तर 8.

सुरलोक मे देवगण भारतवर्ष के वीर निवासी एवं भारत वर्ष की वंदना कर रहे है।

उत्तर 9.

मीरा को हरि से मिलने मे अनेक कठिनाइयां है मीरा को हरि से मिलने के मार्ग बन्द कर दिए गए थे। भगवान हरि महल बहुत दूर है री का मार्ग बहुत सकरा है जिससे मीरा डगमगा जाती है। मीरा की समाज मे लज्जा आदि। महल ऊंचा है।

B
S
E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

उत्तर 10.

विभावरी के बीतने पर उषा नागरी तारा रूपी घड़े को डुबो रही है।

उत्तर 11.

रेवती के चरित्र की 2 विशेषताएँ -
1. भाइयों से प्रेम
2. पतिव्रता होना

उत्तर 12.

अध्यक्ष को गंभीर प्राणी इसलिए कहा गया है क्योंकि इस प्रकार उसके गोल-मोल बात करने और जनता को भ्रमित करने की क्षमता होती है। वह अपने चेहरे पर गंभीरता और मासूमियत का चोगा पहने हुए है।

उत्तर 13.

भाड़ तोड़ने पर तोड़ने पर पश्चाताप स्वरूप मनोहर ने सूर्या से कहा इसमें मेरा क्या दोष मैंने जरा सी एक लात मारी और घड़ा टूट गया यह घड़ा मिट्टी का था इस संसार में ईश्वर द्वारा बनाई गयी हर वस्तु का अन्त निश्चित है। यह तो मिट्टी का भाड़ था जो मेरी एक लात से टूट गया।

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

उत्तर14.

देवकी की गोद मे भगवान कृष्ण मचल रहे थे। भगवान कृष्ण देवकी और वासुदेव की आठवी सन्तान थे। जब वे कारागार मे अवतार लिए तब वासुदेव की बेड़िया खुल गयी, सभी दरवाजे खुल गए पहरेदार सो गए और वासुदेव भगवान कृष्ण को लेकर मथुरा गोकुल चले गए।

उत्तर15. अथवा

अ. अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना
= अपनी बड़ाई स्वयं करना।
वाक्य प्रयोग- रमेश और सुरेश की अच्छी मित्रता है रमेश होशियार है लेकिन अपने मुह मिया मिट्ठू बनता है।

ब. दाँत खट्टे करना
प्रयोग = सबको मात देना
अर्जुन ने युध्द में कौरवों के दाँत खट्टे कर दिए।

BSE

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर 16. अथवा

वात्सल्य ~~रस~~ रस में माता और पुत्र का प्रेम वात्सल्य होता है। इसमें प्रेम, आनन्द, समर्पण भाव होता है।

उत्तर 17.

केदारनाथ - मंदाकिनी नदी के किनारे किनारे
यमनोत्री - यमुना नदी के तट पर
गंगोत्री - गंगा नदी के किनारे
बद्रीनाथ - अलखनंदा नदी के किनारे।

B
S
E

उत्तर 18.

विभावना अलंकार = जहाँ कारण के बिना कार्य हो वहां विभावना अलंकार होता है।

उदाहरण = अश्रु बिन्दु जल धरा भिगोये
अम्भोद अंबर के बिना

उत्तर 19.

भाषा	**बोली**
1. भाषा एक राष्ट्र भाषा	1. एक ग्रामीण
2. भाषा का विस्तार अधिक	2. बोली का विस्तार सीमित होता है
3. भाषा में साहित्य के नाटक उपन्यास, कहानी, आदि रचे जाते है।	3. इसमें साहित्य नहीं रचा जाता है। केवल व्यवहारिक रूप से बोली जाती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर 20.

1. यथार्थ का सजीव चित्रण।
2. रुढ़ीवादी विचार धाराओं का विरोध
3. इस काल में नारी को मुक्त करने में समाज मे स्थान पुरुष समान दिलाने और
4. शोषण करने वालों के प्रति घृणा तथा शोषितो के प्रति दयाभाव।

उत्तर 21.

कहानी	उपन्यास
1. कहानी में जीवन का आंशिक चित्रण	1. उपन्यास में वृहत जीवन चित्रण
2. सीमित पात्र	2 अधिक पात्र
3 इसका आकार छोटा होता है।	3 आकार बड़ा
4 इसमे सघनमात्रा चित्रण होता है।	4. इसमे विस्तार चित्रण होता है।

उत्तर 22.

तुलसीदास . अ. दो रचनाएँ = 1. रामचरित मानस
2. विनय पत्रिका

कलापक्ष - भावपक्ष = व तुलसी दास जी ने भगवान से प्रेम किया दास्य भाव की उनकी भावना भगवत्त चरण सेवा है। कलापक्ष में उन्होंने सहज

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

ही अलंकारों को प्रगट किया उनकी भाषा सरल एवं अवधी है।

स. साहित्य मे स्थान ⇒ सगुण रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवियो मे उनका शीर्षस्थ स्थान है।

23 उत्तर.

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

अ. दो रचनाएं = (1) चिन्तामणि
(2) भय

ब. भाषा शैली = आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की भाषा शुध्द एवं परिष्कृत है। उन्होने खड़ीबोली, उर्दू शब्दो का प्रयोग किया है।

स. साहित्य मे स्थान ⇒ आचार्य जी शुक्ल युग के संस्थापक है। इनका स्थान इतिहास समालोचको मे प्रमुख है। इनका साहित्य मे अद्वितीय स्थान है।

उत्तर 24.

संदर्भ. हमारी पाठ्य पुस्तक के पाठ 5 तिमिल गृह मे किरण आस्था से अवतरित है डा. श्याम सुन्दर दास इसके रचयिता है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रसंग- प्रस्तुत गद्य में मानव जीवन के प्रकाश रुपी सफलता का वर्णन किया गया है।

व्याख्या- कवि कहते है कि सूर्य के प्रकाश की उज्ज्वल किरणों से युक्त आशा रुपी प्रकाश हमारे जीवन मे छिपा हुआ है वह प्रकाश हमारे जीवन प्रकाशमय बना देता है। आदमी के अच्छे आचरण, उसके गुण, शील, श्रम, विवेक तथा मनुष्य की भावना जिसे स्पर्श कर ले वह भी प्रकाशवान हो जाता है। हमारे जीवन की नदिया जो सूख गयी है प्रकाश उसमे उसमे झर-2 की ध्वनि से युक्त झरना बहा दे जैसे जवारो मे लगे हुए पीले रंग के गेहूँ के पौधे धीरे-2 बढ़ते हुए हमे बढ़ने के लिए प्रेरित करते है उसे प्रकाश की किरण न आने वाले अंधेरे से युक्त काठ मे भी उसकी वृद्धी को नही रोका जा सकता है अर्थात व्यक्ति का जीवन भी इन जवारो की तरह सवर्धित होता है।

B
S
E

उत्तर 25.

संदर्भ- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक विशिष्ट हिन्दी के पाठ 4 नीति काव्य से लिया गया है। इसके रचयिता बिहारी जी है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रसंग ⇒ प्रस्तुत पद्य में कवि ने सज्जनों और दुर्जनों में तुलना की है।

व्याख्या. कवि बिहारी कहते है कि चाहे व्यक्ति कितना धनवान, ऐश्वर्य, आनन्द से युक्त हो, और समाज में लोगों के सामने प्रतिष्ठित हो लेकिन बिना गुणों से युक्त व्यक्ति पूजित नहीं, अगर वह चाहे कि मैं महान बने तो नहीं बन सकता जिस प्रकार कनक के दो अर्थ सोना धतूरा, लेकिन धतूरे गहने नहीं बनाए जाते वह तो केवल सोने से बनते है।

उत्तर 26.

अ. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक पर्व है।

ब. पर्व से जीवन प्रवाह को सही दिशा मिलती है।

स. भारतीय संस्कृति में ही बल्कि सभी धर्मों में पर्व अत्याधिक महत्वपूर्ण एवं उनकी संस्कृति का अंग है। जिसके बिना संस्कृति अधूरी है। पर्वों के कारण हमें अवकाश मिलता है जिससे हम अपने जीवन प्रवाह को सही दिशा प्रदान करते है। पर्व हमारे जीवन में ऊर्जा भर देते है। हमें अपनी मर्यादा को ध्यान में रखकर सभी धार्मिक राष्ट्रीय पर्वों को आनन्द पूर्वक मनाना चाहिए

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

उत्तर 27.

अंकसूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करने के लिए प्रार्थना पत्र

सेवा में

श्री मान सचिव महोदय
माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल (म.प्र.)

विषय= अंकसूची द्वितीय प्रति प्राप्त करने के लिए

सविनय निवेदन है कि मैंने आपके संस्थान (2016-17) मे 12 वी की परीक्षा उत्तीर्ण की। किसी कारणवश अंकसूची खो जाने के कारण मै दूसरे विद्यालय मे प्रवेश नही ले पा रहा हू अतः मेरी अंकसूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करवाने की कृपा करे तो आपकी अति दया होगी।
कृपया जल्द से जल्द अनुगृहीत करे

दिनांक
27-02-2017
कक्षा-12

~~आप~~ आपका कृपापात्र

B
S
E

मध्यप्रदेश
DARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD... NDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD

उत्तर 28.

अ. (iv) भारतीय समाज में नारी का स्थान

रुपरेखा- 1. प्रस्तावना 2. सामाजिक महत्व 3. पौराणिक महत्व 4. समाज में स्थान 5. उपसंहार

1. **प्रस्तावना =** नारी का समाज में अगर किसी रुप में शीर्षस्थ उच्च स्थान है तो मातृ रुप में। माता तो बालक के लिए भगवान तुल्य है जन्म से लेकर वह अपने बेटे पर अपने प्राणों को न्यौछावर करती है। "अगर संसार में कोई क्षमाशील है तो वह नारी और पृथ्वी ही है"

2. **सामाजिक महत्व =** समाज में स्त्री का महत्व पुरुष जैसे होता है। समाज में सामाजिक परम्पराओं, नियमों और रीतियों के आधार पर पुरुष विवाहित करके स्त्री को घर में लाता है तथा पत्नी रुप में ग्रहण करता है। एक परिवार को चलाने में जितना महत्व पुरुष का होता है उतने से 10 गुना ज्यादा नारी का महत्व होता है। कहा भी गया है। "पितुर्दश गुणा माता गौरवेणातिरिच्यते"। समाज में स्त्री का महत्वपूर्ण स्थान है।

ARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMAD

प्रश्न क्र.

3. पौराणिक महत्व = प्राचीन काल में स्त्री का महत्व पूर्ण स्थान था। हमारे वेदो को लिखने मे जितना स्थान ऋषियो, मुनियो को रहा है उतना ही नारियो का भी। जैसे- अपाला घोषा, गार्गी आदि।

4. समाज में स्थान := समाज मे स्त्री का स्थान पुरुष तुल्य है। जहाँ भी स्त्रियो का सम्मान होता है उनकी पूजा की जाती है वही पर देवताओ का रमन होता है। कहा गया है —
'यत्र नारयस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता'

5. उपसंहार := हमें अपनी मातृस्वरूपा, भगिनीतुल्य, नारियो की रक्षा करनी चाहिए। आज इस संसार मे जो नारियो का अपमान हो रहा है उसे हमे रोकना चाहिए। हमे सबका सम्मान करना चाहिए। परनारियो को मातृवात देखना चाहिए। हमे अपने बेटे की तरह बेटियो को भी उच्च शिक्षा दिलाना, उनसे प्रेम करना चाहिए। अगर नारियो की सुरक्षा होगी तो हमारा समाज सुरक्षित रहेगा।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

न क्र.

ब. (ii) जल ही जीवन है

रूपरेखा ⇒ (i) प्रस्तावना
(ii) जल का महत्त्व
(iii) जल की उपयोगिता
(iv) जल का दुरुपयोग
(v) जलप्रदूषण
(vi) जलसंरक्षण
(vii) उपसंहार

B
S
E